इंदौर में पहली बार तोड़फोड़ करने वाले नाबालिगों के परिजन होंगे बाउंडओवर

- आरोपियों से नुकसान की वसूली भी करेगी पुलिस
- बालिग बदमाशों पर जिलाबदर की तैयारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाओं पर इस बार पुलिस ने सख्त और अलग कदम उठाया है. चंदननगर, छत्रीपुरा और मल्हारगंज थाना क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक गाड़ियों के कांच फोड़ने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब नाबालिग आरोपियों के माता-पिता को बाउंडओवर करने की कार्रवाई शुरू की गई है.

चंदन नगर थाना प्रभारी तिलक करोले ने बताया कि इंदौर में इस तरह की यह पहली कार्रवाई है, जिसमें नाबालिगों के कृत्य के लिए उनके अभिभावकों को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा रहा है. दो दिन पहले देर रात सिरफिरे युवकों ने अलग-अलग स्थानों पर खड़े वाहनों को निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ की थी. घटनाओं के बाद तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सावन नरवड़े और ध्रुव करोसिया को

गिरफ्तार किया, जबकि दो आरोपी नाबालिग पाए गए.

मामले में बालिग आरोपियों के खिलाफ जिलाबदर सहित प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, वहीं जिन वाहन मालिकों को नुकसान हुआ है, उसकी क्षतिपूर्ति भी आरोपियों के परिजनों से कराई जाएगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि नाबालिग आरोपियों के परिजनों को बाउंडओवर किया जा रहा है. यदि भविष्य में दोबारा ऐसी हरकत सामने आती है तो निर्धारित बाउंडओवर राशि जब्त की जाएगी. पुलिस का मानना है कि असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्ती बरती जाएगी.

टेलीग्राम लिंक से निवेश का झांसा देकर वृद्ध से की ठगी

इंदौर. द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है. टेलीग्राम आईडी के माध्यम से भेजे गए लिंक पर भरोसा कर निवेश करने वाले 60 वर्षीय व्यक्ति से अज्ञात आरोपी ने धोखाधड़ी की. पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि स्कीम नंबर 71, बी सेक्टर मेन रोड निवासी 60 वर्षीय मनोहर सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें टेलीग्राम आईडी के माध्यम से संपर्क किया. आरोपी ने लिंक भेजकर निवेश पर आकर्षक मुनाफे का लालच दिया. फरियादी ने बताए अनुसार लिंक के जरिए निवेश किया, जिसके बाद उनके साथ धोखाधड़ी हो गई. राशि ट्रांसफर होने के बाद आरोपी ने संपर्क बंद कर दिया. द्वारकापुरी पुलिस ने केस दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.

बालिका गृह से भर्ती कराई गई किशोरी अस्पताल से लापता

- गर्भवती होने के चलते एमटीएच में किया था एडमिट
- चाचा-चाची पर राजस्थान के व्यक्ति को 5 लाख में बेचने का आरोप

इंदौर. एमटीएच अस्पताल से बुधवार सुबह एक 15 वर्षीय किशोरी के लापता हो गई. किशोरी शहर के एक बालिका गृह में रह रही थी, उसे गर्भावस्था व पेट में संक्रमण की शिकायत के चलते 20 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. किशोरी मूलत: बिहार के मधुवनी की रहने वाली है. अस्पताल में सुरक्षा के लिए महिला पुलिस बल तैनात होने के बावजूद वह सुबह करीब 7 बजे बाथरूम जाने की बात कहकर निकली और वापस नहीं लौटी.

जानकारी के अनुसार, ड्यूटी पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने उसे

बाथरूम की ओर जाते देखा था. काफी देर तक नहीं लौटने पर अस्पताल परिसर में तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा. इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई. सेंट्रल कोतवाली थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. रेलवे पुलिस और बिहार पुलिस को भी अलर्ट किया है.

दरअसल, उक्त किशोरी करीब एक माह पहले इंदौर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को लावारिस हालत में मिली थी. काउंसलिंग के दौरान उसने बताया था कि माता-पिता के नहीं होने के कारण उसके चाचा-चाची ने उसे पांच लाख रुपये में राजस्थान के माधोपुर क्षेत्र के एक व्यक्ति को बेच दिया था, जहां उससे घर का काम करवाया जाता था और दुष्कर्म किया जाता था. किशोरी किसी तरह 26 जनवरी 2026 की रात वहां से भागकर ट्रेन से इंदौर पहुंची थी.

मामले में जीआरपी पुलिस ने उस समय शून्य पर प्रकरण दर्ज कर मामला बिहार के मधुबनी भेजा दिया था. इसके बाद उसे चाइल्ड लाइन के माध्यम से शहर के बालिका गृह में रखा गया था. अब पुलिस अस्पताल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. किशोरी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है. एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि अस्पताल से गायब होने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और सभी संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही है. प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किशोरी के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें.

एएसआई से निवेश के नाम पर डेढ़ लाख की साइबर ठगी

- बीएसएफ जवान को व्हाट्सएप कॉल कर झांसे में लिया, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर. शहर में साइबर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं. इस बार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक एएसआई को निवेश में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करीब डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर ली गई. मामले की जांच एरोड्रम थाना पुलिस कर रही है.

पीड़ित एएसआई शौकत खान ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई कि कुछ दिन पहले उन्हें व्हाट्सएप कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद को एडवाइजरी कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए शेयर बाजार में निवेश पर अधिक लाभ का भरोसा दिलाया. शुरुआती तौर पर 30 हजार रुपये के मुनाफे का लालच दिया और फर्जी प्रॉफिट स्टेटमेंट भेजकर विश्वास में लिया.

इसके बाद अलग-अलग कंपनियों में निवेश के नाम पर उनसे करीब 1 लाख 60 हजार रुपये जमा करवा लिए. जब उन्होंने रकम निकालने का प्रयास किया तो संबंधित मोबाइल नंबर बंद मिला. ठगी का एहसास होने पर उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की. प्राथमिक जांच के बाद प्रकरण एरोड्रम थाने को भेजा गया है, जहां धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है.

जनसहयोग से ही बेहतर यातायात व्यवस्था संभव : डीसीपी त्रिपाठी

- ग्रेटर कैलाश-आनंद बाजार क्षेत्र में नो पार्किंग को लेकर बैठक

इंदौर. शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा नो पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत जनसहयोग से यातायात में बेहतर व्यवस्था की संभावना को लेकर एक बैठक आयोजित की गई.

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यह कार्रवाई की जा रही है. जिसके तहत ग्रेटर कैलाश रोड से आनंद बाजार क्षेत्र तक के दुकानदारों, व्यापारी संगठनों और रहवासियों

के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक में नो पार्किंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी गई तथा नागरिकों से सहयोग की अपील की गई. अधिकारियों ने बताया कि राजवाड़ा और जेल रोड सहित शहर के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों के सहयोग से यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ है.

नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन न खड़े करने का निर्णय

वहीं ग्रेटर कैलाश से आनंद बाजार मार्ग पर दो से तीन लाइन में वाहन खड़े किए जाने की समस्या सामने आ रही है, जिससे आवागमन और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं. बैठक में तय किया कि नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े नहीं किए जाएंगे और केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग किया जाएगा. व्यापारियों और रहवासियों ने व्हाट्सएप ग्रुप व अन्य माध्यमों से जागरूकता फैलाने का आश्वासन दिया. मामले में डीसीपी त्रिपाठी ने बताया कि जनसहयोग से ही शहर में सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है. यातायात पुलिस ने भविष्य में भी ऐसे संवाद कार्यक्रम जारी रखने की बात कही है.

युवती ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

इंदौर. तिलक नगर थाना क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवती ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतारा और मामले की जांच शुरू कर दी है.

साईनाथ कॉलोनी निवासी प्रथा पिता परीक्षित ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी. जब परिजनों ने उसे फंदे पर झूलते देखा, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का मुआयना किया और पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया. फिलहाल, मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं

हो सका है. पुलिस परिजनों और प्रथा के दोस्तों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह पिछले कुछ समय से किसी तनाव में तो नहीं थी. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों के विस्तृत बयानों के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी.